वॉट नाउ ने राज्यभर में साइबर सुरक्षा शिक्षा को सुदृढ़ करने हेतु महाराष्ट्र साइबर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

वॉट नाउ, साइबर अपराध, साइबर उत्पीड़न, सेक्सटॉर्शन तथा सभी प्रकार के ऑनलाइन दुर्व्यवहार के विरुद्ध कार्यरत एक अग्रणी एनजीओ और राष्ट्रीय जागरूकता आंदोलन, ने महाराष्ट्र राज्य में निवारक शिक्षा, डिजिटल सुरक्षा साक्षरता और जन–जागरूकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र साइबर के साथ एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में श्री यशस्वी यादव, आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, महाराष्ट्र साइबर, महाराष्ट्र सरकार की उपस्थिति रही। इस अवसर पर वॉट नाउ की संस्थापक एवं प्रसिद्ध उद्यमी सुश्री नीति गोयलय वॉट नाउ के सह–संस्थापक एवं एयू कॉरपोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज के संस्थापक श्री अक्षत खेतानय तथा वॉट नाउ की सह–संस्थापक और पिल्लई इंस्टीट्यूट की निदेशक डॉ. निवेदिता श्रेयांस भी उपस्थित थीं। सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री अक्षत खेतान ने कहा, "आज साइबर जोखिम केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक और कानूनी चुनौती बन चुका है। यह साझेदारी रोकथाम, जागरूकता और नागरिकों को डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक साधनों से सशक्त बनाने पर केंद्रित है।" यह सहयोग संयुक्त जागरूकता अभियानों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और व्यापक सामुदायिक पहुंच पहलों के माध्यम से महाराष्ट्र में एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वॉट नाउ की परिकल्पना पर बोलते हुए सुश्री नीति गोयल ने कहा, "वॉट नाउ की स्थापना ऑनलाइन दुर्व्यवहार के पीड़ितों की आवाज को समर्थन और मंच देने के लिए की गई थी। महाराष्ट्र साइबर के साथ यह सहयोग हमें अपनी पहुंच बढ़ाने और शिक्षा एवं जागरूकता के माध्यम से वास्तविक, जमीनी स्तर पर प्रभाव डालने में सक्षम बनाएगा।" डॉ. निवेदिता श्रेयांस ने कहा, "जागरूकता और शिक्षा साइबर खतरों के विरुद्ध सबसे मजबूत सुरक्षा कवच हैं। इस साझेदारी के माध्यम से हमारा उद्देश्य युवाओं और संवेदनशील समुदायों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना है।"यह सहयोग नागरिकों को सशक्त बनाने, डिजिटल विश्वास को मजबूत करने और महाराष्ट्र में एक सुरक्षित व अधिक सुदृढ़ ऑनलाइन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के साझा संकल्प को दर्शाता है।